

निःश्वास

जब २१७-१७७५

२१-१२-४३ ई०

म्रज-रज, बिटप, कझार, काव्य-जनक कवि-जन कहे ।
धनितन उर उदगार, की संज्ञा का है सके ?

—श्यामनारायण मिश्र 'श्याम'

डेरापुर (झातपुर)

(५७०)